REPORT OF THE COMMITTEE ON THE WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

SHRI RAM NATH KOVIND (Uttar Pradesh): Sir, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the First Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes including Minutes of the sittings of the Committee relating thereto on Reservation for and Employment of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in Dena Bank and credit facilities provided by the Bank to them relating to the Ministry of Finance.

MOTION FOR ELECTION TO THE CENTRAL ADVISORY COMMITTEE FOR THE NATIONAL CADET CORPS

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I move the following Motion:

"That in pursuance of clause (i) of sub-section (1) read with sub-section (1A) of Section 12 of the National Cadet Corps Act, 1948 (XXXI of 1948), this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to be a member of the Central Advisory Committee for the National Cadet Corps."

The question was put and the motion was adopted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Demand for a Statement on train accident near Harse Mansar, Punjab

श्री सभापति: श्रीमती सरला माहेश्वरी।

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): सभापति जी, ...(व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): सभापति जी....

श्री सभापति: कोई बोल ही नहीं रहा है।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: आप क्या बोल रहे है, आप स्पेशल मेंशन कर रहे है।..(**व्यवधान**)

श्री रवि शंकर प्रसाद: आदरणीय सभापति महोदय ....(**व्यवधान**)

श्री सभापति: आप समझिए मत, मैं सुन रहा हूं ....(**व्यवधान**) मेरी अनुमति से मैं जब कह रहा हूं कि स्पेशल मेंशन दिए जाएंगे तो कोई खड़ा ही नहीं हो रहा है तो किसकी गलती है।

श्री रवि शंकर प्रसाद: नहीं, सर। बिल्कुल खड़े हो गए थे।

श्री सभापति: ठीक है।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): आदरणीय सभापति जी, मैं कृतज्ञ हूं कि आपने मुझे अनुमति दी कि एक गम्भीर महत्व के प्रश्न को सदन के समक्ष उठा रहा हूं। कल पठानकोट से 25 किलोमीटर दूर हर्षमंसर गांव के निकट जम्मू तवी अहमदाबाद एक्सप्रैस और पठानकोट पैसेंजर के बीच जबर्दस्त भिड़ंत हुई। 39 लोग मारे गए और 100 के लगभग घायल हैं। जो सूचना आई है, वह बड़ी गम्भीर और चिन्ताजनक सवाल उठाती है। पूरा सिग्नल सिस्टम फेल था, ऐसी बात कही गई है। ब्लाक इंस्ट्रूमेंट सिग्नल सिस्टम काम नहीं कर रहा था, टोकन सिस्टम से भेजा गया, गड़बड़ी हुई, एक लाइन पर दो गाड़िया चलने लगी। अखबारों में यह बात आई है कि भंगाला स्टेशन से पठानकोट पैसेंजर छोड़ा गया और मीरथल से जम्मू तवी एक्सप्रेस। आदरणीय सभापति जी, यह संचार व्यवस्था कब से गड़बड़ थी? उसको ठीक करने की क्या कार्रवाई की गई? सवेरे रेल मंत्री जी का वक्तव्य देखा, उन्होंने हत्या की बात की है, तो क्या यह हत्या की तैयारी हो रही थी? उसके बारे में क्या कोई कार्रवाई की गई थी कि सिग्नल सिस्टम को ठीक किया जाए? यह बड़ा ही गंभीर मसला है। क्या एंटी एकसीडेंट डिवाइस, कालीजन डिवाइस को लगाया गया था? ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि जिस तरह अनारक्षित डिब्बे में इम्पैक्ट हुआ, तो गरीब पैसेंजर, जो आरक्षित डिब्बे मे नहीं चल रहे थे, वे बुरी तरह से मारे गए। आदरणीय सभापति जी, इससे एक बड़ा सवाल उठता है। क्या कुछ महीनों में रेलवे मंत्रालय में संवेदनशीलता का अभाव हो गया है? रेल मंत्री जी का स्टेटमेंट आन रिकार्ड है कि विश्वकर्मा भगवान का आशीर्वाद लेकर हम काम कर रहे है।....(**व्यवधान**) देखिए, मुझे अपनी बात बोलने दीजिए।....(**व्यवधान**)

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, उनको बोलने दीजिए।....(**व्यवधान**)

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): महोदय, उन्होंने घटना को नैरेट किया, हम लोगों ने कुछ नहीं कहा। अब पोलिटिकलाइज कर रहे हैं, महोदय।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): There is a limit to politics. (*Interruptions*)

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए ....(**व्यवधान**) आप विषय पर आइए। ....(**व्यवधान**)

श्री रवि शंकर प्रसाद: मैं वही कहा रहा हूं।....(**व्यवधान**)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, बैठ जाइए। आप बैठिए, उनको बोलने दीजिए। .... (**व्यवधान**)

श्री रवि शंकर प्रसाद: मैं सीरियसली कह रहा हूं, सीरियसली कह रहा हूं।....(**व्यवधान**)

श्री सभापति: नहीं, आप बोलने तो दो। बैठिए, बैठिए....(**व्यवधान**) नहीं-नहीं, आप बोलने दो उनको।....(**व्यवधान**) आप उन्हें बोलने तो दो।

श्री रवि शंकर प्रसाद: आदरणीय सभापति जी, मुझे बोलने दिया जाए।..(**व्यवधान**) जो मैं बात कह रहा हूं ....(**व्यवधान**) मुझे कृपा करके बोलने दें .... मुझे बोलने दें

श्री सभापति: कोई नहीं दबेगा, आप बोलने तो दीजिए। ....(**व्यवधान**) आप बैठिए, प्रसाद जी, एक मिनट ....(**व्यवधान**)

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, मैंने अभी तक कंप्लीट नहीं किया है। मुझे दो मिनट समय और दीजिए।....(**व्यवधान**)

श्री सभापति: नहीं, एक मिनट मैं कह रहा हूं, ... पहले ये बोल लें। ....(**व्यवधान**) आप बैठिए, बैठिए।

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर मुझे अपनी बात कंप्लीट करने दें, सर।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप एक मिनट बैठिए, आपको आपत्ति है क्या? उनको बोलने दीजिए। उनको कहने तो दीजिए।...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: (झारखंड) सारे टीवी पर लोग कह रहे थे। कि ...(**व्यवधान**)... एक्सीडेंट हुआ हैं हर टीवी पर यही दिखाया जा रहा था।

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मंत्री जी को जगह का ही पता नहीं है तो दुर्घटना को क्या रोकेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य, बैठिए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: अरे, बैठिए क्या ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप बैठिए...(**व्यवधान**)..... माननीय सदस्य बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): अहलुवालिया जी, आप जैसे पंडित हैं जो कभी इधर-से-उधर जाते हैं, उधर-से-इधर आते हैं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य बैठिए। पचौरी जी, आप कुछ बोल रहे हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): आदरणीय सभापति जी, कल जो जम्मू तवी एक्सप्रेस और जालंधर - पठानकोट डी॰एम॰यू॰ के बीच दुर्भाग्यजनक रेल दुर्घटना हुई है, उस से पूरा सदन व्यथित है। इस संबंध में जैसकि आपने आसंदी से निर्देश दिए थे कि प्रश्नकाल के बाद सरकार बताए कि इस संबंध में कब वक्तव्य दिया जाएगा। मान्यवर आपके जरिए इस सदन को विनम्रतापूर्वक सूचित करना चाहता हूं कि इस संबंध में आज ही वक्तव्य दिया जाएगा। हमारे रेल राज्य मंत्री जी के पास वह वक्तव्य तैयार है और आज जब आप समय बताएंगे, उस समय दिया जाएगा इंटरनल सेक्युरिटी पर डिस्कसन के बाद हम इस पर वक्तव्य देने के लिए तैयार हैं।

श्री रवि शंकर प्रसाद: सभापति जी, मैं जो बात कह रहा था, अभी कुछ दिनों पहले छट के अवसर पर दिल्ली स्टेशन पर...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: हर बात मत लाइए। आप इसी घटना का जिक्र कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर 99 में ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, यह बहुत ज्यादा हो रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठिए , बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: रेल मंत्री रिजाइन करें।

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, आप इनको रोकिए।

श्री सभापति : आप बैठ जाइए, मैं उनको रोकूंगा।...(**व्यवधान**)...आप केवल इस घटना का जिक्र करेंगे।

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, रेल मंत्री जी सदन में नहीं हैं। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि उनको इस्तीफा देना चाहिए। सर, 99 में रेल दुर्घटना हुई थी...(**व्यवधान**)... अगर यह मानवीय भूल है, तो उनको इस्तीफा देना चाहिए।...(**व्यवधान**)....

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, आप उन्हें नहीं रोक रहे हैं, हमें रोक रहे हैं।

श्री सभापति: आप बोलेंगे, मैं आपको अलाउ करूंगा।...**(व्यवधान)**... सुषमा जी, आप इन्हें रोकिए।...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश): जब मंत्री जी, स्टेटमेंट देंगे, तब चर्चा होनी चाहिए।... **(व्यवधान)**...ये इतनी बड़ी त्रासदी पर केवल राजनीति कर रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद: यह कितना गंभीर विषय है।

श्री आनन्द शर्मा: जब बयान हो जाए, तब चर्चा की जाए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: आपके नीतीश कुमार तो घटना स्थल पर जाते भी नहीं थे। लालू जी तो तुरंत गए हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद: वह सदन में नहीं हैं।

श्री सभापति: आप की डिप्टी-लीडर खड़ी हैं, आप बीच में इंटरप्ट कर रहे हैं।...**(व्यवधान)** ...आप बैठ जाइए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: दो-दो सौ आदमी एक-एक दुर्घटना में आपकी सरकार में मारे गए हैं। ...**(व्यवधान)**... यह बहुत महत्वपूर्ण है, इस पर ये पॉलिटिक्स कर रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): आप बैठिए। सभापति जी, प्रश्नकाल से पूर्व जो विषय मैं ने उठाया था, उसका जवाब तो अभी संसदीय कार्य मंत्री जी ने दिया और उन्होंने कहा है कि आज साढ़े 4 बजे रेल मंत्री जी आकर बयान देंगे। लेकिन मैं बहुत विनम्रता से आपसे निवेदन करना चाहती हूं कि हमारे दो और प्रस्ताव आज तक लंबित पड़े हैं जिन पर संसदीय कार्य मंत्री का जवाब नहीं आया है। नेता विपक्ष ने एक प्रश्न यहां उठाया था जिस पर आपने आसंदी से निर्देश दिया था और उसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ने कहा था कि यह आपका निर्देश है इसकी पालना मुझे करनी है। उस पर हमने प्रधान मंत्री जी से वक्तव्य चाहा था। अब तक इसके ऊपर सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसी तरह मेरे वरिष्ठ सहयोगी श्री यशवंत सिन्हा की तरफ से मांग की गयी थी कि प्रधान मंत्री विदेश यात्रा से वापिस आए हैं, कुछ विदेशी अतिथि भी यहां आए और उनके साथ बहुत अच्छे कारगर समझौते हुए हैं। सभापति जी, सदन की यह परंपरा है कि चालू सत्र में सदन को विश्वास में लिया जाता है और प्रधान मंत्री आकर वक्तव्य देते हैं, लेकिन इसके ऊपर भी सरकार ने चुप्पी साधी हुई है। तो मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहती हूं कि संसदीय कार्य मंत्री उस बारे में भी अपनी प्रतिक्रिया दें कि प्रधान मंत्री कब सदन में आएंगे? कल प्रधान मंत्री जी का यहां इस सदन में दिन है, इसलिए जानबूझकर मैंने यह प्रश्न यहां उठाया है ताकि कल

प्रधान मंत्री बयान दें। तो इन दोनों लंबित प्रश्नों पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी चाहिए। महोदय, नेता विपक्ष भी बैठे हैं जिन्होंने एक प्रश्न उठाया था, कम-से-कम उसके ऊपर प्रतिक्रिया आनी चाहिए। अभी आपने आसंदी के निर्देश का पालन करते हुए कहा कि साढ़े 4 बजे वक्तव्य आएगा, लेकिन प्रधान मंत्री जी का वक्तव्य कब आएगा, यह सुनने के लिए हमारे कान बेताब हो रहे हैं।

श्री सभापति: माननीय सदस्यगण, मैंने इस संबंध में पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर से आज सुबह ही चर्चा की है। प्रधान मंत्री जी विजिट्स के मामले में 22 तारीख को वक्तव्य देंगे। दूसरे विषय में कल प्रधान मंत्री जी आ रहे हैं, उसके पहले मैं उनसे चर्चा कर लूंगा और आपको कहलवाऊंगा।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, कल दिलवा दीजिए।

श्री सभापति: आप बैठ जाइए। बीच में बार-बार खड़े मत होइए। मुझे कई लोगों से इतनी परेशानी है कि, आप कोई काम की बात कहें, मुझे कोई आपत्ति नहीं है, खूब जोर से बोलें, लेकिन जब भी चेयर बोलती है आप बीच में खड़े हो जाते हैं (व्यवधान) अब आप बैठ जाइए। मैं आपको कह रहा हूँ, बैठ जाइये।

SPECIAL MENTIONS

Demand for Pensionary and other benefits for the Employees of Regional Rural Banks

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): माननीय सभापति जी, मुझे खुशी है कि आज जब कि मैं अपने विशेष उल्लेख प्रस्ताव के जरिए क्षेत्रीय गामीण बैंकों की समस्याओं की ओर सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित कर रही हूं तब आप आसंदी पर हैं और मैं उम्मीद करती हूँ कि जिस तरह पिछली मर्तबा आपने समर्थन दिया था...(व्यवधान)

श्री सभापति: नहीं, नहीं। लिखा हुआ पढ़िए, भूमिका मत बनाइए।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति महोदय, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हमारी ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। आज ऐसे 196 बैंकों की लगभग 14500 शाखाएं हमारे देश के 516 जिलों में फैली हुई हैं और छोटे-छोटे ऋण लेने वाले लगभग 5 करोड़ लोगों को सेवाएं प्रदान कर रही हैं। यूपीए सरकार के न्यूनतम साझा कार्यक्रम में ग्रामीण ऋणों को बढ़ाने और अन्य संबद्ध कामों को दुगुना करने की बात कही गयी है। ऐसी स्थिति में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कर्मचारियों की इन तमाम वर्षों में हमारे ग्रामीण समाज के बारे में जो गहरी समझ विकसित हुई है, उसका भरपूर लाभ उठाये जाने की जरूरत है। मैं वित्त मंत्री जी का ध्यान वित्त मंत्रालय की संसदीय स्टैंडिंग कमेटी